THE
PARLIAMENTARY DEBATES
OFFICIAL REPORT
IN THE HUNDRED AND THIRTY SECOND SESSION OF THE RAJYASABHA

Commencing* on *the* 17th *January,* 1985/27 *Pausa,* 1906 *(.Sdka)

RAJYA SABHA

Thursday, the 17th January, 1985/27 *Pausa,* 1906 (Saka)

The House met at thirty minutes past twelve of the clock, Mr. Chairman in *the Chair.*

MEMBERS SWORN

1. Shri Shantinaoy Ghosh (West Bengal)
2. Shri Purushottam Kakodkar (Nominated)
3. Shri H. L. Kapur (Nominated)

PRESIDENT'S ADDRESS—Laid on the Table

SECRETARY-GENERAL: Sir, I beg to lay on the Table a copy of the President's Address to both the Houses of Parliament assembled together on the 17th January, 1985.

[TEXT OF THE PRESIDENT'S ADDRESS IN HINDI]

माननीय सदस्यगण,

आठवीं संसद् के प्रथम अधिवेशन में, मैं आप सबका हर्ष से स्वागत करता हूं। लोकसभा के नए सदस्यों का मैं अभिवादन करता हूं। मुझे विश्वास है राष्ट्र की प्रगति में वे अपना पूर्ण योगदान देंगे।

2. 1984 भारत के लिए संकट और परीक्षा का वर्ष रहा। लेकिन दुःख और संताप के बीच आशा थी, और साथ ही राष्ट्र ने जिन सिद्धांतों को अपनाया है और पालन किया है उनके प्रति दृढ़ आस्था भी थी।

3. 1984 के आरम्भ में पंजाब में विघटनकारी और राष्ट्र विरोधी तत्वों ने अपनी गतिविधियां तेज कीं। बातचीत की प्रक्रिया को सफल नहीं होने दिया गया। उग्रवादियों और आतंकवादियों की ओर से देश की एकता और अखण्डता को गम्भीर खतरा उत्पन्न हुआ। नागरिक अधिकारियों की सहायता के लिए सेना बुलानी पड़ी। भारत की एकता और अखण्डता के खतरे का मुकाबला करने के लिए सरकार को सेना का मजबूर होकर उपयोग करना पड़ा। इसका सिलसिलेवार ब्योरा 10 जुलाई, 1984 के श्वेत-पत्र में दिया गया है।

4. 31 अक्तूबर, 1984 को हमारी प्रिय नेता, प्रधान मंत्री इन्दिरा गांधी की विश्वासघाती हत्या कर दी गई।

5. किन परिस्थितियों में हत्या की गई इनसे संबंधित तथ्यों की जांच के लिए जस्टिस एम० पी० ठक्कर को

अध्यक्षता में एक जांच आयोग नियुक्त किया गया है ।

6. इन्दिरा गांधी विश्व इतिहास के अमर व्यक्तियों की श्रेणी में आ गई हैं । उनकी जीवन-गाथा भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा-स्रोत है । उनके जीवन का हर पल, हर क्षण भारत की एकता को सुदृढ़ करने और सभी क्षेत्रों में देशवासियों को मजबूत बनाने के लिए समर्पित था । कोई भी स्मारक उनके व्यक्तित्व की भव्यता और प्रकाश को पूर्ण रूप से प्रतिबिम्बित नहीं कर सकता । उनके प्रति हमारी सबसे अच्छी श्रद्धांजलि यही होगी कि उन्होंने अपने अन्तिम श्वास तक जिस मार्ग को आलोकित किया उस पर हम चलें ।

7. इन्दिरा गांधी की हत्या के बाद दिल्ली और देश के कुछ अन्य हिस्सों में गड़बड़ी और हिंसा से जान-माल का नुकसान हुआ । कम से कम समय में स्थिति पर काबू पाने के वास्ते सख्त और प्रभावी कदम उठाये गये । इस हिंसा के दौरान जिन परिवारों का नुकसान हुआ उनके प्रति मेरी सरकार की गहरी सहानुभूति है । प्रभावित लोगों के पुनर्वास का कार्य प्राथमिक है और केन्द्र तथा राज्य सरकारें इसे पूरा महत्व दे रही हैं ।

8. भोपाल में गैस से पीड़ित परिवारों के प्रति सरकार की पूरी हमदर्दी है। जिन परिवारों में रोजगार का कोई साधन नहीं रहा उनके पुनर्वास पर ध्यान दिया जा रहा है। प्रभावित परिवारों को मुआवजा देने के लिए भी कार्यवाही की जा रही है। सरकार औद्योगिक संस्थानों के स्थान और बचाव उपायों की पूरी जांच कर रही है ताकि दोबारा ऐसी भयानक दुर्घटना न हो।

9. भारत की लोकतांत्रिक प्रणाली की परिपक्वता और शक्ति कांग्रेस (इ) संसदीय दल के नये नेता के रूप में श्री राजीव गांधी के निर्विघ्न और व्यवस्थित चुनाव से प्रदर्शित हुई । लोक सभा के चुनाव अविलम्ब कराये गए । जिस निष्पक्षता और शांति से ये चुनाव हुए उनका श्रेय हमारे देशवासियों की लोकतांत्रिक प्रतिभा को जाता है ।

10. 1984 के चुनाव भारतीय राष्ट्रीयता के पुनर्जीवन का प्रतीक हैं जो जात-पात, सम्प्रदाय और प्रदेश के सभी बंधनों से मुक्त वातावरण में हुए । शासक दल श्री राजीव गांधी के नेतृत्व में जिस अभूतपूर्व बहुमत से विजयी हुआ उससे जाहिर है कि हमारे देशवासियों को राष्ट्र की एकता और अखण्डता की कितनी चिन्ता है और साथ ही इनको संजोये रखने के लिए केन्द्र में एक मजबूत और स्थायी सरकार बनाने की कितनी प्रबल इच्छा है ।

11. यह स्पष्ट निर्णय उन आधारभूत नीतियों के पक्ष में भी है जिनसे हमारे देश को बदलती हुई परिस्थितियों के अनुकूल काम करने के लिए शक्ति मिली है ।

12. पिछले पांच वर्षों के दौरान अर्थ व्यवस्था में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। छठी योजना की अवधि में औसत विकास दर 5.2 प्रतिशत के लक्ष्य तक पहुंचने की आशा है । अनाज का उत्पादन 1979-80 में 109.7 मिलियन टन से बढ़कर 1983-84 में 151.5 मिलियन टन हो गया जो इस वर्ष के लक्ष्य से 9.5 मिलियन टन अधिक था । चालू वर्ष में कृषि उत्पादन की गतिशीलता बने रहने की आशा है । हमारे किसानों और खेत मजदूरों के उद्यम और कड़ी मेहनत से उपलब्धियों का एक नया अध्याय शुरू हुआ है, जिस पर हम सब को गर्व है । कृषि उत्पादन में इस वृद्धि की महत्वपूर्ण

विशेषता है देश के पूर्वी और मध्य क्षेत्रों में हरित क्रान्ति का फैलना।

13. छठी पंचवर्षीय योजना के दौरान औद्योगिक उत्पादन में भी 1983-84 तक लगभग 24 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस वर्ष के प्रथम 6 महीनों में विकास दर 7 प्रतिशत से अधिक रही है। इससे हमारी अर्थ-व्यवस्था को गति मिलेगी। परम्परागत रूप से श्रमिक वर्ग ने उत्पादन की वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

14. छठी योजना की अवधि में बुनियादी उद्योगों के कार्यों में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है। 1983-84 के अन्त तक कोयले का उत्पादन 32.9 प्रतिशत और बिजली का उत्पादन 32.6 प्रतिशत बढ़ गया। कच्चे पेट्रोलियम के उत्पादन में 121 प्रतिशत की वृद्धि हुई। उर्वरक और सीमेंट के उत्पादन में भी क्रमशः 52.3 प्रतिशत और 53.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। चालू वर्ष के दौरान इन क्षेत्रों में उत्पादन और अधिक बढ़ा है।

15. कीमतों की स्थिति में भी सुधार हुआ है। चालू वर्ष में दिसम्बर, 1984 के अन्त तक थोक मूल्य में 1983 की उसी अवधि में 7.7 प्रतिशत की वृद्धि के मुकाबले 4.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। दिसम्बर 1984 के अन्त तक मुद्रा फैलाव की वार्षिक दर दिसम्बर 1983 के अन्त में 10.7 प्रतिशत के मुकाबले 5.4 प्रतिशत थी।

16. मांग और आपूर्ति दोनों के कुशल प्रबंध के कारण मुद्रा फैलाव के दबाव पर नियंत्रण रखने में सफलता मिली है। मुद्रा विस्तार की गति और सरकारी खर्च पर नियंत्रण रखने के प्रयास किये गये। आपूर्ति के मामले में आवश्यक वस्तुओं को सुलभ बनाने के कई उपाय किए गए। इस प्रक्रिया में वस्तुओं के लाभकारी दाम देने की सरकार की नीति के कारण उत्पादन में वृद्धि हुई है। साथ ही मुख्य निवेशों की आपूर्ति, जरूरत पड़ने पर आवश्यक वस्तुओं का पर्याप्त मात्रा में आयात तथा अनाज का बफर स्टाक बनाने से भी इस दिशा में मदद मिली है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली ने कीमतों को स्थिर रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

17. विदेशी ऋण की अदायगी की स्थिति में निरंतर सुधार हुआ है। आपको स्मरण होगा कि पिछले वर्ष सरकार ने आई०एम०एफ० के 5 बिलियन एस०डी० आर० ऋण में से 3.9 बिलियन प्राप्त करके शेष भाग को स्वेच्छा से छोड़ दिया था। राजकीय कोष की स्थिति अधिक मजबूत हुई है। विदेशी मुद्रा का भण्डार 1982-83 के अन्त में 4265 करोड़ रुपये से बढ़कर 1983-84 के अन्त में 5498 करोड़ रुपये हो गये हैं। यह दिसम्बर, 1984 के अन्त में बढ़कर 6250 करोड़ रुपये हो गए। लेकिन यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें ढील देने की कोई गुंजाइश नहीं है।

18. 20 सूत्री कार्यक्रम के माध्यम से गरीबी कम करने के निरंतर प्रयास होते रहे। छठी पंचवर्षीय योजना के प्रथम चार वर्षों में समेकित ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम के अन्तर्गत अनुसूचित जाति और जन जाति के 4.7 मिलियन परिवार और विभिन्न समुदायों के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के 7.9 मिलियन परिवार शामिल हुए। इसके साथ चालू वर्ष में नवम्बर, 1984 तक 19.45 लाख परिवारों के शामिल होने से इस कार्यक्रम में परिवारों की कुल संख्या 14.5 मिलियन हो गई है। राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना और ग्रामीण भूमिहीन गारण्टी योजना से गांव के गरीब तबके के

लोगों के लिए रोजगार के अवसरों में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। इस कार्यक्रमों को लागू करने में महिलाओं और अल्पसंख्यक वर्ग के लोगों को लाभ पहुंचाने पर विशेष ध्यान दिया गया है ।

19. ग्रामीण पेयजल आपूर्ति कार्यक्रम के अन्तर्गत, 2.31 लाख समस्याग्रस्त गांवों में से 1.52 लाख गांव 31 मार्च, 1984 तक शामिल हो गये थे । 1984-85 के दौरान करीब 42,000 अधिक गांव शामिल हो जायेंगे ।

20. छठी योजना के दौरान 11.5 मिलियन हेक्टेयर की अतिरिक्त सिंचाई क्षमता पैदा करने की आशा है । छठी योजना के अन्त तक देश की कुल सिंचाई क्षमता लगभग 68 मिलियन हेक्टेयर हो जाने की आशा है जबकि देश की सम्पूर्ण सिंचाई क्षमता 113 मिलियन हेक्टेयर है। नर्मदा घाटी का बहुउद्देशीय विकास हाथ में ले लिया गया है ।

21. छठी योजना में अर्थव्यवस्था की बहुमुखी प्रगति यह सिद्ध करती है। कि योजनाबद्ध विकास की हमारी नीति खरी है। सरकार अब सातवीं पंचवर्षीय योजना के ऊपर लगी है जो अप्रोच पेपर के अनुसार है। सातवीं योजना में इन्दिरा गांधी ने "भोजन, काम और उत्पादन" को प्राथमिकता दी है । देश को अब अनुशासित ढंग से और जोरदार प्रयास से विकास की उस अवस्था में पहुंचाना है जिसमें तकनीकी प्रगति और सामाजिक न्याय के आदर्श एक दूसरे को शक्ति दें ।

22. नई सरकार को जवाहरलाल नेहरू और इन्दिरा गांधी से एक सुसंगत और सिद्धान्तयुक्त विदेश नीति विरासत में मिली है । हमारी विदेश नीति संयुक्त राष्ट्र संघ के सिद्धान्तों पर आधारित है, गुट-निरपेक्षता के प्रति समर्पित है और पुराने या नये उपनिवेशवाद तथा जातीय रंग भेद की विरोधी है ।

23. गुट-निरपेक्ष राष्ट्रों के अध्यक्ष के रूप में भारत ने अन्य देशों के साथ मिलकर विश्व में एक न्यायोचित व्यवस्था कायम करने, तनाव कम करने और सदस्य देशों के बीच झगड़े सुलझाने के प्रयास किये । आज सबसे ज्यादा खतरा है परमाणु युद्ध का । पिछले वर्ष अर्जेंटीना, ग्रीस, मेक्सिको, स्वीडन, तनजानिया और भारत के नेताओं ने मिलकर परमाणु हथियार बनाने वाले राष्ट्रों से अनुरोध किया कि वे परमाणु हथियारों पर पूर्ण प्रतिबंध लगायें और उनके भण्डार को कम करें । कुछ ही दिन बाद इन छः देशों के नेता दिल्ली में मिलेंगे और परमाणु युद्ध के खतरों को रोकने के लिए क्या कदम उठाये जा सकते हैं इस पर विचार करेंगे ।

24. जेनेवा में संयुक्त राष्ट्र अमरीका और सोवियत संघ में वार्ता फिर आरम्भ हुई है इसका हम स्वागत करते हैं और आशा करते हैं कि निरस्त्रीकरण की दिशा में अर्थपूर्ण कदम उठाये जायेंगे ।

25. सरकार अपने सभी पड़ोसी देशों से निकट के संबंध बनाने को अधिक महत्व देती है । दक्षिण एशिया क्षेत्रीय सहयोग विकास के लिए हम उत्सुक हैं ।

26. हिन्द महासागर में सैन्यीकरण जारी है। इससे हमारे तटवर्ती इलाकों में तनाव और संघर्ष की सम्भावना बढ़ गई है। सरकार हिन्द महासागर को सैन्यीकरण से मुक्त रखने के ध्येय के प्रति वचनबद्ध है ताकि इस क्षेत्र में और उन तटवर्ती राष्ट्रों में तनाव दूर हो, जो मुख्यतः विकासशील देश हैं और जो विकास के कार्यों में अपने साधन, ध्यान और शक्ति लगा सकते हैं।

27. पड़ोसी क्षेत्रों में आधुनिक हथियार दिया जाना हमारे लिए चिन्ता का विषय है हम आशा करते हैं कि इसे रोकने के लिए सरकार ने जो पहल किया है, उसके अनुरूप पाकिस्तान सकारात्मक और रचनात्मक रवैया अपनायेगा

28. श्रीलंका में जातीय हिंसा से हमें बहुत चिन्ता है हमारा यह दृढ़ विश्वास है कि ताकत के जोर पर कोई हल नहीं निकाला जा सकता । एक राजनीतिक प्रक्रिया ही उचित समाधान निकाल सकती है जिसमें सभी संबंधित पक्ष शामिल हैं । श्रीलंका में ऐसा वातावरण बनाया जाना चाहिए जिससे भारी संख्या में भारत में आये शरणार्थी वापस जा सकें :

29. चीन के साथ हमारे संबंधों में सुधार हुआ है। हम अपनी सीमा के प्रश्न को हल करने का प्रयास करते रहेंगे ।

30. सोवियत संघ और अन्य समाजवादी देशों के साथ हमारे मैत्रीपूर्ण संबंधो और सहयोग में निरंतर प्रगति हो रही है ।

31. संयुक्त राज्य अमरीका के साथ आर्थिक, वैज्ञानिक, सांस्कृतिक और शिक्षा के क्षेत्रों में बढ़ते सहयोग का हम स्वागत करते हैं ।

32. पश्चिम एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया, प्रशान्त महासागर, पूर्व एशिया, अफ्रीका पश्चिमी यूरोप, मध्य तथा दक्षिण अमरीका और कॅरीबियन के देशों के साथ हमारे द्विपक्षीय संबंधों में निरन्तर वृद्धि हमें देखने को मिली है ।

33. हम अफ्रीका के कुछ भागों में अभूतपूर्व सूखे और अकाल की स्थिति से दुःखी हैं । हमने 1 लाख टन गेहूं अकाल सहायता के लिए भेजा है और चिकित्सा सहायता भी प्रदान की हैं। संकट की इस घड़ी में विश्व के सभी देशों को अफ्रीकी देशों की सहायता करनी चाहिए ।

34. मैं पिछले वर्ष अर्जेंटीना, मेक्सिको मारिशस, यमन जनवादी गणराज्य और यमन अरब गणराज्य की राजकीय यात्रा पर गया था । भूतपूर्व प्रधान मंत्री सोवियत संघ, लिबिया और ट्युनिशिया की यात्रा पर गई थीं । भूटान नरेश, कतर के अमीर, श्रीलंका और युगोस्लाविया के राष्ट्रपतियों, आस्ट्रिया फेडरल चांसलर, चैकोस्लोवाकिया, जापान, न्यूजीलैंड और वनूआतू के प्रधान मंत्री, वियतनाम की कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव और वर्मा सोशलिस्ट प्रोग्राम पार्टी के अध्यक्ष हमारे देश के राजकीय अतिथि थे । इस आदान-प्रदान से भारत और उन देशों के बीच मैत्री संबंधों तथा सहयोग को आगे बढ़ाने में हमें मदद मिली है । श्रीमती इंदिरा गांधी की अन्त्येष्टी में 102 देशों के नेताओं ने भाग लिया और दुःख की घड़ी में अपनी जनता की ओर से संवेदना प्रकट की ।

35. मैं अब भावी कार्यों की समीक्षा करूंगा । प्रधान मंत्री ने पंजाब और असम की समस्याओं का हल निकालने के लिए सरकार का दृढ़ निश्चय पहले ही स्पष्ट कर दिया है ।

36. सरकार एक स्वच्छ सार्वजनिक जीवन के लिए वचनबद्ध है । वह चाहती है कि चुनावी सुधारों पर राजनीतिक दलों के साथ व्यापक रूप से विचार विमर्श करने में पहल की जाए। इसमें सरकार उनके सहयोग का स्वागत करेगी ।

37. एक स्वस्थ राजनीतिक व्यवस्था कायम रखने के उद्देश्य से सरकार दल बदल रोक पर एक विधेयक संसद के इस सत्र में ला रही है ।

38. सरकार, प्रशासनिक प्रणाली में सुधार की ओर पूरा ध्यान देगी जिससे यह अधिक कुशल बन सके तथा जनता की जरूरतों और आकांक्षाओं पर ध्यान दे सके।

39. वस्त्र उद्योग की स्थिति अच्छी नहीं है और इस समस्या पर तुरन्त ध्यान देने की आवश्यकता है। सरकार इस उद्योग के लिए एक नई नीति बनायेगी और इसकी घोषणा करेगी।

40. शिक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार किये जायेंगे तथा एक नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति बनाई जायेगी।

41. संविधान की गरिमा बनाये रखने तथा जनता के मूल अधिकारों की रक्षा करने में हमारी न्यायिक प्रणाली का एक महत्वपूर्ण स्थान है। कुछ मसले हैं जिन पर ध्यान दिया जाना है। समाज के कमजोर वर्गों को न्यायिक सहायता अधिक आसानी से उपलब्ध होनी चाहिए। लोगों को शीघ्रतर न्याय मिलना चाहिए। इन उद्देश्यों को पूरा करने के लिए सरकार कदम उठायेगी।

42. महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक तथा सांस्कृतिक विकास को सरकार प्राथमिकता देगी। बालिकाओं को उच्च माध्यमिक स्तर तक पर शिक्षा निःशुल्क उपलब्ध कराना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। सरकार महिलाओं के लिए एक नया राष्ट्रीय कार्यक्रम बनायेगी। इस कार्यक्रम को बनाने और उसे लागू करने में स्वयंसेवी संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

43. 1985 युवा वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। राष्ट्रीय अखण्डता, समाज सेवा तथा मानव प्रयास से संबंधित हर क्षेत्र में विशिष्टता प्राप्त करने का प्रमाण हमारे युवक पहले ही दे चुके हैं। इस समय आवश्यकता इस बात की है कि युवक आगे आयें और राष्ट्र निर्माण के कार्य में उत्साह-पूर्वक भाग लें। इस संबंध में उचित कार्यक्रम लागू किया जायेगा।

44. देश के लिए, जंगलों को बचाने और उनका विकास करने के महत्व को ध्यान में रखते हुए सरकार ने वन तथा वन्य जीवन का एक पृथक विभाग बनाया है। एक नई वन नीति की शीघ्र घोषणा की जायेगी। एक वेस्टलैंड डेवेलपमेंट बोर्ड का गठन किया जा रहा है जिससे वनरोपण को एक जन आन्दोलन का रूप दिया जा सके। वायु तथा जल प्रदूषण की समस्या का समाधान करने के लिए भी कारगर कदम उठाये जा रहे हैं।

45. गंगा को दूषित होने से बचाने के लिए मेरी सरकार एक केन्द्रीय गंगा प्राधिकरण स्थापित कर रही है। गंगा कोई साधारण नदी नहीं है। इसके साथ हमारे अतीत की स्मृतियां, हमारे गीत, काव्य और सत्य की खोज जुड़ी है। इसलिए एक स्वच्छ गंगा से लोगों को असीम संतोष होगा।

46. अपनी सांस्कृतिक धरोहर की रक्षा के कार्य को सरकार बहुत महत्व देती है। इतना ही महत्व रचनात्मक कलाओं के विकास को भी दिया जायेगा। विज्ञान और टैक्नॉलोजी को प्रोत्साहन तथा लोगों की समस्याओं को वैज्ञानिक तरीके से सुलझाने को सरकार उच्च प्राथमिकता देती रहेगी।

47. ये हैं कुछ राष्ट्रीय प्रयास की प्राथमिकताएं। जनता के प्रतिनिधि होने

के नाते हमारा यह कर्त्तव्य है कि लोगों में जो उमड़ता हुआ उत्साह है उसे हम एक सहयोगी और अनुशासनमय प्रयास मे बदलें जिससे विकास में गति आए और देश को 21वीं सदी के लिए तैयार कर सकें इस महान और रोचक कार्य में सफलता के लिए मैं आपको शुभकामनायें देता हूं।

जय हिन्द।

[TEXT OF THE PRESIDENT'S ADDRESS IN ENGLISH]

HONOURABLE MEMBERS,

It gives me great pleasure to welcome you to this first session of the Eighth Parliament. I felicitate the members of the new Lok Sabha and trust that they will make a significant contribution to the nation's progress.

2. For India, 1984 was a year of trial and tribulation. But in the midst of sorrow and anguish, there was also hope and strong affirmation of the principles the nation has chosen and cherished.

3. In the earlier part of 1984, subversive and anti-national elements stepped up their activities in Punjab. The process of dialogue was frustrated. A serious threat to the unity and integrity of the country was posed by extremists and terrorists. The Army had to be called in aid of the civil authorities. The series of events which compelled the Government to use the Army to deal with the threat to India's unity and integrity have been chronicled in the White Paper issued on July 10, 1984.

4. On October 31, 1984, our beloved leader and Prime Minister, Indira Gandhi, was assassinated in an act of perfidy.

5. A Commission of Inquiry headed by Justice M. P. Thakkar has been appointed to enquire into the facts and circumstances leading to the assassination.

6. Indira Gandhi has joined the ranks of the immortals of world history. The saga of her life will inspire generations to come. Every moment of her life was devoted to the consolidation of the unity of India and to the strengthening of the Indian people in all spheres. No memorials can fully capture the magnificence and radiance of her personality. The best homage that we can pay to her memory is to follow the path she illumined till her last breath.

7. Disturbances and violence in Delhi and in some other parts of *the* country, following Indira Gandhi's assassination, resulted in loss of life and property. Stern and effective action was taken to control the situation within the shortest possible time. My Government extend their deepest sympathy to the families which suffered during the violence. Rehabilitation of the affected persons is a priority task to which both the Central and State Governments are attending with a sense of urgency.

8. Government express their, deepest sympathy with those families which were victims of the gas tragedy in Bhopal. Rehabilitation of families which halve lost their bread-winners is being attended to. Action is also being taken to secure compensation for the affected families. Government are undertaking a thorough examination of the location policy and safety measures of industrial establishments with a view to preventing the recurrence of such disasters.

9. The maturity and strength of India's democratic system were demonstrated by the smooth and orderly election of Shri Rajiv Gandhi as the new leader of the Congress (I) Parliamentary Party. Elections to the Lok Sabha were promptly called. Tho fair and peaceful manner in which they were held, is a tribute to the democratic genius of our people.

10. The elections of 1984 mark the resurgence of Indian nationalism, transcending all barriers of community, caste and region. The unprecedented mandate received by the ruling party under the leadership ol

Shri Rajiv Gandhi shows the over--whelming concern of our people for the unity and integrity of the nation and their desire for a strong and -Stable Government at the Centre.

11. The unambiguous -verdict of the people is also for continuity of the basic policies which have given strength to our country with dynamic responses to changing situations.

12. The economy has made significant progress during the last five years. The average growth rate in the Sixth Plan period is likely to hit the target level of 5.2%. Foodgrains production rose from 109.7 million tonnes in 1979-80 to 151.5 million tonnes in 1983-84, exceeding the year's target by as much as 9.5 million tonnes. Agricultural production in the current year is expected to maintain its buoyancy. The enterprise and hard work of our farmers and agricultural workers have written a new chapter of high achievement of which all of us can be proud. The most noteworthy feature of the accelera tion in agricultural growth is the spread of the Green Revolution to the Eastern and the Central regions of the country. .

13. Industrial production during the Sixth Five Year Plan has also recorded an increase of nearly 24% upto 1983-84. In the first six months of the year a growth rate of over 7% has been recorded. This will give a strong thrust to the economy. The working class, in accordance with its traditions, has made a notable ontribution to the increase in production.

14. There has been a remarkable improvement in the performance of Snfrastructural industries during the Sixth Plan period. By the end of 1983-84 coal production had increased by 32.9% and electricity generation by 32.6%. Production of crude petroleum had registered a growth of 121%. Production of fertilizers and cement have also registered increase of 52.3% and 53.6% respectively. During the current year these sectors have registered further growth.

15. The price situation has shown considerable improvement During the current year till the end of December 1984, the 'wholesale prices rose by only 4.8% as against 7.7 per cent in the corresponding period of 1983. The annual rate of inflation as at the end of December 1984 was 5.4 per cent as against 10.7 per cent at the end of December, 1983.

16. The success in containing in flationary pressures was due to the efficient management of the demand and supply position. Efforts were made to check the pace of monetary expansion and also to restrain gover nment expenditure. On the supply side a number of initiatives were taken to increase availability of essential commodities. Larger production in xesponse to Government policies °* providing remunerative prices and of supply of key inputs, adequate im ports of essential commodities where ver needed and the building up of large buffer stocks of foodgrains have helped in this process. The public distribution system has played a key role in maintaining price stability.

17. The external payments posi tion has continued to improve. It may be recalled that the Government had voluntarily given up the balance part of the SDR 5 billion available under the IMF arrangement after drawing only SDR 3.91 billion. The reserves position has since been further streng-htened. Foreign exchange reserves increased from Rs. 4265 crores at the end of 1982-83 to Rs. 5498 crores at the end of 1983-84. They increased further to Rs. 6250 crores at the end of December 1984. However, this is an area in which there can be no room for complacency.

18. Through the 20 Point Program me, vigorous efforts continued to be made for the alleviation of poverty. In the first four years of the Sixth Five Year Plan the Integrated Rural Development Programme covered 4.7 million families belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tri-I bes and 7.9 million families of econo- mically weaker sections comprising

various other communities. This together with an additional 19.45 lakh families covered during the current year up to November. 1984 bring the totall number of families covered under the Programme to 14.5 million. The National Rural Employment Programme (NEEP) and the Rural Landless Employment Guarantee Programme (RLEGP) have substantially expanded employment opportunities for the rural poor. In implementing these programmes special emphasis has been given to benefiting women and minorities.

19. Under the rural drinking water . supply programme, out of 2.31 lakh problem villages 1.52 lakhs had been covered till March 31, 1984. During 1984-85), nearly 42,000 more villages will have been covered.

20. Additional irrigation potential of 11.5 million hectares is expected to be created during the Sixth Plan. The total irrigation potential of the coun- try by the end of the Sixth Plan is expected to be of the order of 68 million hectares against the ultimate potential of 113 million hectares. The multi-purpose development of Narmada Valley has been taken up.

21. The all-round progress of the economy in the Sixth Plan testifies to the soundness of the strategy of plan ned development and is a tribute to the dynamic leadership provided by Shrimati Indira Gandhi. Government are now formulating the Seventh - Five Year Plan in the light of the .Approach Paper. The priorities in the Seventh Plan were summed up by Shrimati Indira Gandhi as "Food Work and Productivity'. The country has now to make disciplined and vigorous efforts to reach a higher stage of development in which the imperatives of technological advances and social justice reinforce each other.

22. The new Government have in- herited a coherent and principled fo- reign policy from Jawaharlal Nehru and Indira Gandhi. The continuity , and wide acceptance of our foreign policy rests on our firm adherence to the principles and purposes of the United Nations Charter, commitment to non-alignment and stout opposition to colonialism, old and new, and racial discrimination.

23. As Chairman of the Non-aligned Movement, India has worked together with other nations to build a just world order and helped to reduce tensions and resolve conflicts between member States. The single most important challenge today is the threat of nuclear war. Last year, Leaders of Argentina, Greece, Mexico, Sweden, Tanzania and India collectively called upon the nuclear-weapon States to delare a nuclear freeze and to substantially reduce nuclear stockpiles. In a few days from now, the leaders of these six countries will meet in New Delhi to consider what further action they can take to contain the nuclear peril.

24. We welcome the resumption of talks in Geneva between the USA and the USSR and hope that they would lead to meaningful disarmament measures.

25. Government attach high priority to developing close relations with all our neighbours. We are keen to see progress in the South Asia Regional Cooperation framework.

26. The militarisation of the Indian Ocean is contnuing. This bring tensions and the possibility of conflict close to our shores. Government are committed to the objective of demilitarisation of the Indian Ocean so that the tensions are removed from this region and the littoral State, which are mostly developing countries, can devote their resources, attention and energy to .the all-important tasks of development.

27. The induction of sophisticated armaments in our neighbourhood is a matter of grave concern. We hope Pakistan will respond positively and constructively to the several initia- tives taken by Government.

28. The ethnic violence in Sri Lanka is a matter of deep concern to us. We are convinced that use of force cannot

lead to a solution. A political process, in which all the concerned parties are involved, can alone result in a just settlement. Conditions must be created in Sri Lanka to enable the return of the large number of refugees who have been forced to take shelter in India.

29. Our relations with Chinahave shown improve o the boundary question.

30. Our friendly relations and cooperation with the Soviet Union and other socialist countries continue to develop.

$1. We welcome the increasing cooperation in economic, scientific cultural and educational fields with the United States of America.

32. We have noted with satisfaction the uninterrupted development of our bilateral relations with countries of West Asia, South-East Asia, and the Pacific region, East Asia, Afriea. Western Europe, Central and South America and the Caribbeans.

33. We are distressed at the unprecedented drought and famine in parts of Africa. We have contributed 1,00,000 tonnes of wheat for famine relief and have offered medical help. The world community must come to the aid of the African nations in distress.

34. During the past year, I paid State visits to Argentina, Mexico Mauritius, the People's Democratic Republic of Yemen and the Yemen Arab Republic. The late Prime Minister visited the USSR, Libya and Tunisia. We also had the privilege to host visits by the King of Bhutan, the Amir of Qatar, the Presidents of Sri Lanka and Yugoslavia, the Federal Chancellor of Austria, the Prime Ministers of Czechoslovakia, Japan, New Zealand and Vanuatu, the Secretary General of the Communist Party of Vietnam and the Chairman of the Burma Socialist Programme Party. All these exchanges have helped in (further promoting friendly ties and cooperation between India and these countries. Leaders of 102 countries were in New Delhi in early November to attend the funeral of Shrimati Indira Gandhi, bringing to us the sympathy of their peoples in our hour of sorrow.

35, I now turn to future tasks. The Prime Minister has already expressed Government's determination to find solutions to the problems in Punjab and Assam.

136. Government are committed to a clean public life. They intend to initiate wide-ranging discussions on electoral reforms wth political parties and would welcome .their cooperation.

37. In consonance with the objective of a healthy political system, Government intend to bring forward in this session of Parliament an anti-defection Bill.

38. Government will pursue vigorously the reforms of the administrative system in order to make it more efficient and responsive to the people's needs and aspirations.

39. Textile industry is in a poor state of health and this problem needs immediate attention. Government will formulate and announce a new policy for the industry.

40. Comprehensive reforms will be introduced in the educational system and a new National Education Policy will be formulated.

41. Our judicial system has an important role in upholding the Constitution and in protecting the fundamental rights of the people. Some aspects need attention. The underprivileged eectioa of society must have easier access to judicial remedies. Speedier justice has to be ensured. Government intend to introduce measures for fulfilling these objectives.

42. Government will accord high priority to the social, economic and cultural development of women. An important step in this direction will be the provision of free education for girls up to the end of higher secondary stage. Government will frame a new national programme for women. In both the formulation and implementation of this programme, voluntary organisations will have an important role.

43. 1985 is being observed as the Year of the Youth. Our youth have already shown great promise in pro moting national integration, undertak ing social work and achieving excel lence in all fields of human endeavour. The need of the hour is to let the youth come forward to participate enthusiastically in nation-building. Appropriate programmes in this regard will be implemented.

44. Government have constituted a separate Department of Forests and Wild Life in recognition of the vitally important national task of conserv ing and developing our forest wealth. A new forest policy will be announced soon. A Waste Land Development Board is being set up to give new impetus to afforestation as a people's movement. Steps are being taken to . deal effectively with the problems of air and water pollution.

, 45. My Government are establishing a Central Ganga Authority to stop the pollution of the Ganga. The Ganga is no ordinary river. With it are bound long memories of our past, our song and poetry and our search for Truth. A cleaner Ganga is thus a matter of the deepest satisfaction to our people.

46. Government attach high importance to the preservation of our cultural heritage. Equal importance will be given to promotion of creativity in the arts. Encouragement of science and technology and the application of scientific knowledge for solving the problems of the people will continue to receive high priority.

47. These are some of the priorities of national effort. Our duty as representatives of the people is to canalise the tremendous upsurge among the masses into cooperative and disciplined endeavour to accelerate deve-lopment and to prepare the country for the 21st century. I wish you success in this great and exciting task.

Jai Hind.

RESOLUTION RE. THE SAD DE-MISE OF THE FORMER PRJME MINISTER, SHREVIATl INDIRA GANDHI

MR. CHAIRMAN: It is with deep anguish that I rise to propose the following resolution on the sad demise of our beloved former Prime Minister, Shrimati Indira Gandhi, on the 31st October 1864.

"This House mourns the loss of one of the greatest Indians of the twentieth century. Future genera-tions, rising above the cumult of our timeg will look with love and gratitude on the magnitude and splendour of Indira Gandhi's achievements. Her vision and tireless energy brought India into an era of self-reliance. She breathed new life into the concept of a united, modern] India. Today we walk upright with pride and confidence, pride in what India is and confidence in what we shall do for ourselves and the world.

Indira Gandhi did not belong to India alone; she belonged to the entire suffering humanity. Her voice was the voice of the hungry, the weak, the anguished, the maimed and the disabled. She laboured so that bitterness and strife may cease and justice prevail among nations. She fought relentlessly against all forms of oppression. With characteris-tice devotion, she espoused the cause